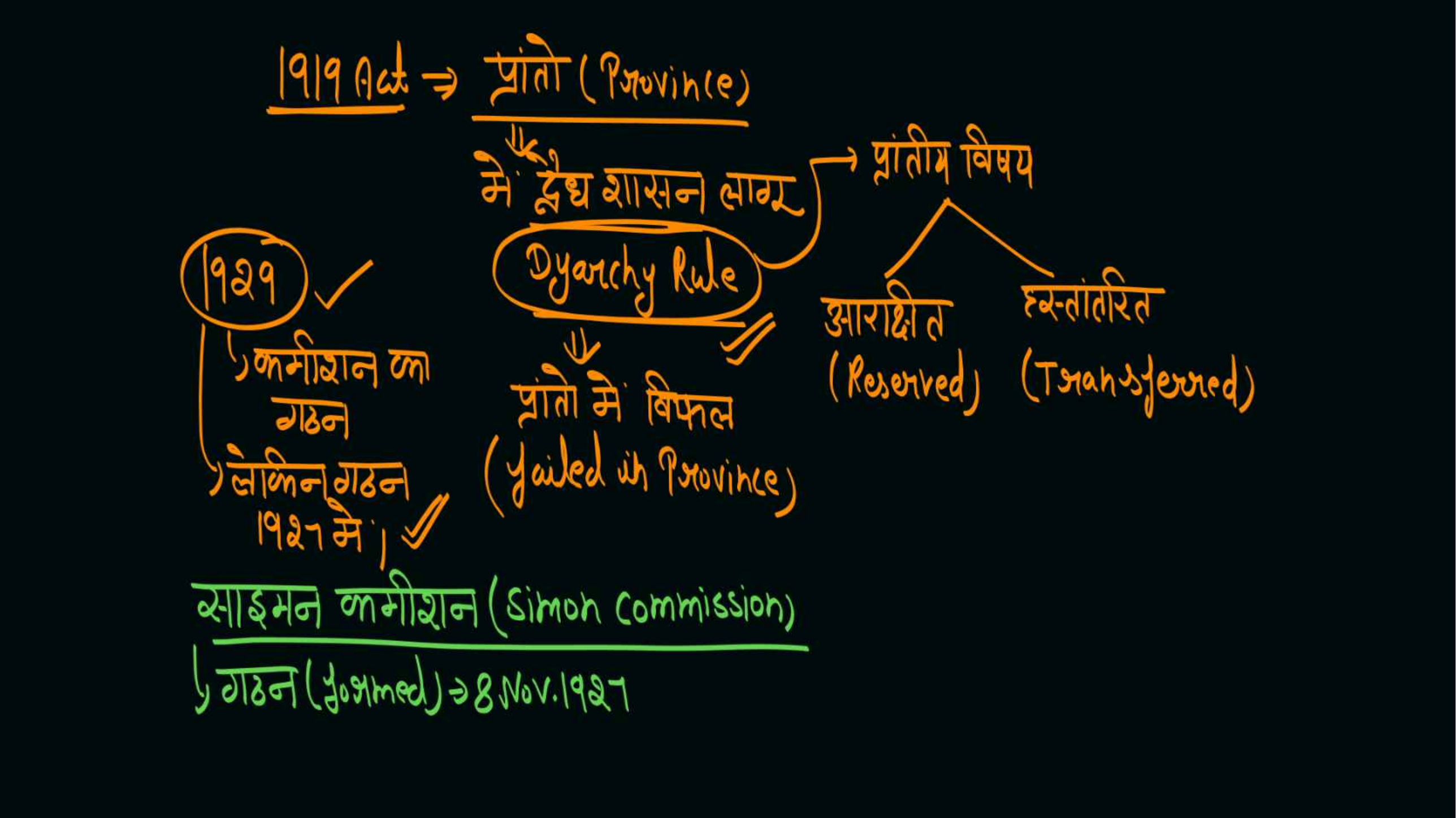
साइमन कमीशन (~~1921~~ 1927-1928) Simon Commission (1921-1928)

1919 के भारत शासन अधिनियम में यह प्रावधान था आधनियम पारित होने के 10 वर्ष बाद संवैधानिक आयोग की नियुक्ति की जाएगी जो इस बात की जांच करेगा कि अधिनियम कहाँ तक सफल रहा।

The Government of India Act of 1919 had a provision that a constitutional commission would be appointed 10 years after the passing of the Act, which would investigate to what extent the Act was successful.

1919 Act ⇒ पारित ⇒ भारत में सुधार ✓ ⇒ 10 वर्षों के पश्चात् कमीशन की नियुक्ति


1919 Act ⇒ प्रांतो (Province)
में द्वैध शासन लागू
Dyarchy Rule
प्रांतीय विषय
आरक्षित (Reserved)
हस्तांतरित (Transferred)
प्रांतो में विफल (Failed in Province)
1927
कमीशन का गठन
लेकिन गठन 1927 में
साइमन कमीशन (Simon Commission)
गठन (Formed) ⇒ 8 Nov. 1927

⇒ अध्यक्ष ⇒ जॉन साइमन

⇒ कुल सदस्य (1+6) ⇒ 7 ⇒ सबके सब अंग्रेज

⇒ साइमन कमीशन (श्वेत आयोग / white commission)

⇒ 3 Feb. 1928 को बाम्बे (मुम्बई) पहुँचा

⇒ बहिष्कार ⇒ Go back Simon.

साइमन कमीशन का गठन = 8 Nov. 1927 ई० को भारत के राज्य सचिव बर्केनहैड द्वारा जॉन साइमन की अध्यक्षता में 7 सदस्य वाला आयोग का गठन हुआ।/ Formation of Simon Commission = On 8 Nov. 1927, a 7-member commission was formed under the chairmanship of John Simon by Birkenhead, the Secretary of State for India.

साइमन कमीशन का अन्य नाम श्वेत आयोग → क्योंकि सभी सदस्य अंग्रेज थे।

The other name of the Simon Commission is White Commission

साइमन कमीशन के 7 सदस्यों में जान साइन अध्यक्ष था।

Among the 7 members of the Simon Commission, Chairman of Simon commission - John Simon.

गठन >1927

11 Dec. 1927 को प्रयागराज में हुए सर्वदलीय सम्मेलन में साइमन कमीशन के बहिष्कार का निर्णय लिया गया /On 11 December 1927, in the all-party conference held in Prayagraj, it was decided to boycott the Simon Commission.

कमीशन के आगमन के समय भारत का G.G. इरविन था।

At the time of the arrival of the commission, the President of India was G.G. Irwin.

इरविन के सुझाव पर भारतीयों को साइमन कमीशन से बाहर रखा गया था।

On the suggestion of Irwin, Indians were kept out of the Simon Commission.

कमीशन का भारत आगमन) 3 feb. 1928 को मुम्बई पहुंचा तो काले झण्डे दिखाए गए तथा Simon Go Back का नारा तथा मुम्बई में हड़ताल रखा।

When the Commission arrived in India on 3 February 1928, it reached Mumbai and black flags were shown to it and the slogan of Simon Go Back was raised and a strike was organized in Mumbai.

Simon Go Back का नारा युसूफ मेहर अली ने दिया था।

The slogan of Simon Go Back was given by Yusuf Mehar Ali.

लखनऊ में खली कुडजमा तथा मदास में टी० प्रकाशम ने आयोग का विरोध किया था। Khalil Rujjama in Lucknow and T. Prakasam in Madras opposed the Commission.

लखनऊ में जवाहर लाल नेहरू तथा गोविंद वल्लभ पंत को कमीशन का विरोध करते समय लाठी चार्ज झेलना पड़ा था। Jawaharlal Nehru and Govind Vallabh Pant had to face lathi charge while opposing the Commission in Lucknow.

31 Oct. 1928 को लाहौर में लाला लाजपत राय के नेतृत्व में साइमन कमीशन का विरोध किया गया। On 31 Oct. 1928, Simon Commission was opposed in Lahore under the leadership of Lala Lajpat Rai.

लाला लाजपत राय पर लाहौर के पुलिस अधीक्षक स्कॉट ने लाठी बरसाई थे।
Lala Lajpat Rai was beaten with a stick by Lahore's police superintendent Scott.

लाला लाजपत राय की मृत्यु पर गांधी जी ने कहा कि सौरमण्डल से एक सितारा डूब गया।

On the death of Lala Lajpat Rai, Gandhiji said that a star has set from the solar system.

साइमन कमीशन की रिपोर्ट => पेश => 30 June 1930

सर शिव स्वामी अय्यर ने इसकी रिपोर्ट को रद्दी की टोकरी में फेंकने लायक बताया था।

Sir Shiva Swami Iyer said that this report should be thrown in the dustbin.

कमीशन को रिपोर्ट:- Report of the Commission:-

(1) कमीशन ने द्वैध शासन को समाप्त करने एवं प्रांतो को स्वायत्ता सौंपने की मांग की थी। The Commission demanded the abolition of Dyarchy and granting autonomy to the provinces.

द्वैध शासन का जनक
↳ लियोनिल कार्टिस

(2) गर्वनर जनरल एवं गर्वनरों के अधिकार को बढ़ाने का सुझाव दिया था।

It suggested increasing the powers of the Governor General and Governors.

(3) प्रांतीय विधानमंडलों का विस्तार एवं मुसलमानों को विशेष प्रतिनिधित्व देने का प्रस्ताव रखा।

It proposed the expansion of provincial legislatures and special representation to Muslims.

1928 में साइमन कमीशन प्रशासनिक सुधार पर विचार के लिए भारत आया था।

In 1928, the Simon Commission came to India to consider administrative reforms.

⇒ भारतीयों द्वारा लगातार साइमन कमीशन का विरोध करने के कारण भारत राज्य सचिव बर्केनहेड ने INC के नेताओं को एक ऐसा संवैधानिक प्रारूप (Constitutional Draft) बनाने को कहा जिससे सभी सहमत हो।

⇒ INC ने इस चुनौती को स्वीकार किया और पं. मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय समिति का गठन 1928 में किया।

⇒ समिति रिपोर्ट (नेहरू रिपोर्ट) ⇒ 10 Aug. 1928 को, इस समिति ने अपनी रिपोर्ट दी।

- नेहरू रिपोर्ट विरोध में मो० अली जिन्ना ने अपनी 15 सूत्रीय मांग 29 March 1929 को पेश की।

सविनय अवज्ञा आंदोलन Civil Disobedience Movement (1930-1934)

शुरुआत:- 12 March 1930 ई० को साबरमती ~~आश्रम~~ आश्रम (अहमदाबाद)

Beginning:- 12 March 1930 at Sabarmati ~~Ashvam~~ Ashram (Ahmedabad)

1) दांडी मार्च => 12 March 1930 - 6 April 1930

1929 ई० में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस कार्यकारिणी सभा में सविनय अवज्ञा आंदोलन को शुरू करने का अधिकार दिया गया।

In 1929, in the Lahore session of the Congress, the Congress Working Committee was given the right to start the Civil Disobedience Movement.

अध्यक्ष => प० जवाहर लाल नेहरू

मांग => पूर्ण स्वराज (Full Independency)

दाण्डी मार्च Dandi March:- 12 March 1930- 6 April 1930

कुल सहयोगी:- 78 सदस्य - सर्वाधिक संख्या गुजरात

Total participants:- 78 members - Highest number Gujarat

दूरी ⇒ 385km. (241 मील)/ Distance ⇒ 385km. (241 miles)

यात्रा ⇒ 24 Day's/Trip ⇒ 24 Day's

दांडी यात्रा का प्रारंभ करते समय गांधी जी ने कहा था कि शक्ति के विरुद्ध अधिकार की इस लड़ाई में मैं विश्व की सहानुभूति चाहता हूँ।

While starting the Dandi march, Gandhi ji had said that I want the sympathy of the world in this fight for power against power.

दांडी यात्रा 'अंत तक लड़ो' आदर्श वाक्य के साथ शुरू की गई थी।

The Dandi march was started with the motto "Fight till the end".

नमक कानून का उल्लंघन ⇒ 6 April 1930 को दाण्डी (नौसारी जनपद, गुजरात)

Violation of salt law ⇒ 6 April 1930 at Dandi (Nausari district, Gujarat)

सुभाष चन्द्र बोस ने गांधी जी की दांडी यात्रा नेपोलियन के एल्वा से पेरिस तथा मुसोलिनी की रोम मार्च से तुलना की थी।

Subhash Chandra Bose compared Gandhiji's Dandi March to Napoleon's Elba to Paris and Mussolini's Rome March.

गांधी जी ने दाण्डी यात्रा के दौरान माही नदी को पार किया था।

Gandhi crossed the Mahi river during the Dandi march.

सविनय अवज्ञा के दौरान ~~पश्चिमोत्तर~~ पार्श्वमोत्तर सीमा प्रांत में गढ़वाल सैनिको ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से इंकार कर दिया था।

During the Civil Disobedience, the Garhwal soldiers in the North-West Frontier Province refused to fire on the demonstrators.

दक्षिण भारत में नमक आन्दोलन के दौरान त्रिचना - पल्ली (वेदारण्यम्) तक यात्रा कर नमक कानून से० गोपालाचारी ने तोड़ा था।

During the Salt Movement in South India, Gopalachari broke the Salt Law by travelling to Trichy-Palli (Vedaranyam).

नमक आन्दोलन के दौरान गांधी जी को गिरफ्तार करके यरवदा जेल में रखा गया था।

During the Salt Satyagraha, Gandhiji was arrested and kept in Yerawada Jail.